चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	15.9.23	8	1-4

उपलब्धि: हकृवि के तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार व उनकी टीम ने पाई कामयाबी

सरसों की दो उन्नत किस्में विकसित

40% से अधिक होगी तेल की मात्रा

25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक बिजाई का सबसे उचित समय

-डॉ संदीप सिंहमार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि वैज्ञानिकों ने सरसों की बिजाई का मौसम आने से पहले दो नई उन्नत किस्में विकसित की है। अमूमन देश में सरसों की बिजाई सितंबर के अंतिम सप्ताह में शुरू हो जाती है। उससे पहले कृषि वैज्ञानिक को विशेष कर तिलहन वैज्ञानिकों ने सरसों की नई किस्म ईजाद कर देश भर के किसानों को सही समय पर फायदा देने का काम किया है। इन नई किस्मों में आरएच 1424 व आरएच 1706 शामिल हैं। हकृवि कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज कंबोज ने बताया कि सरसों की नई किस्मों से बिजाई करने से किसानों को पहले से बेहतर लाभ मिलेगा। इनकी बिजाई से जहां खेतों में सरसों की पैदावार में बढ़ोतरी होगी, वहीं तेल की मात्रा भी पहले से अधिक मिलेगी। तिलहन वैज्ञानिकों का मानना है कि औसतन रूप से सरसों की फसल के कुल उत्पादन का 40 फीसदी तेल निकलता है, लेकिन इन किस्म के बिजाई करने से 40 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा मिलेगी। हकृवि द्वारा सरसों की इन दोनों नई किस्मों के अलावा पहले से विकसित सभी प्रकार की किस्मों के बीज विश्वविद्यालय के बिक्री केंद्र के साथ-साथ देशभर के सभी सरकारी बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध हैं।

5 वर्ष पूर्व विकसित आरएच 725 किस्म आज भी लोकप्रिय

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी हैं। वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25 से 30 मण प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

> तिलहन वैज्ञानिकों का मानना है कि औसतन रूप से सरसों की फसल के कुल उत्पादन का 40 फीसदी तेल निकलता है, लेकिन इन किस्म के बिजाई करने से 40 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा मिलेगी।

वैश्विक स्तर पर सरसों उत्पादन में तीसरे नंबर पर है भारत

सरसों, राया/राई व तारामीरा खी फसल की प्रमुख तिलहनी फसल है। इस फसल का एक तरफ जहां भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है, वहीं सरसों के उत्पादन से मिलने वाले तेल से रसोई में भी तड़का लगता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली व हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में सरसों का तेल प्रमुखता से सब्जियां चटपटे पकवान बनाने के काम में लिया जाता है। सरसों उत्पादन और क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में चीन और कनाडा के बाद भारत का तीसरा स्थान है।

मैदानी क्षेत्रों में होता है उत्पादन, पर राजस्थान सबसे आगे

सरसों का उत्पादन भारत के लगभग सभी राज्यों में होता है, लेकिन सरसों उत्पादन के मामले में राजस्थान भारत के सभी राज्यों में सबसे आगे है। यहां की जलवायु और मिट्टी सरसों की खेती के लिए काफी अनुकूल है। कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग आंकड़ों के अनुसार देश में कुल उत्पादित होने वाले सरसों में राजस्थान में अकेले 46.7 प्रतिशत का उत्पादन होता है। राजस्थान सहित मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारत का 88 फीसदी उत्पादन होता है। सरसों के उत्पादन में मध्य प्रदेश की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस फसल की खेती कम सिंचाई और कम लागत में आसानी से हो जाती है।

अनुसंधान के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड

हकृवि को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से भी नवाजा गया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक तिलहन व दाल डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। प्रो. कंबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक टीम ने हाल ही में सरसों की दो नई उन्नत किस्में विकसित कर एक नया आयाम स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.9.23	3	3-8

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर : कुलपति काम्बोज

हकृवि में हिंदी दिवस पर हुआ कार्यक्रम

पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं व अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। आस्ट्रेलिया से आए डा. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की।

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

- **भाषण प्रतियोगिता :** फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **काव्य पाठ :** विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान पर रही।
- **स्लोगन प्रतियोगिता :** प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा ने प्राप्त किया।
- **पोस्टर मेकिंग :** फतेहचंद कन्या कालेज की छात्रा निहारिका प्रथम रही।
- **स्केचिंग प्रतियोगिता :** प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.9.23	10	4-8

हिंदी भाषा हमें पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता व आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सबसे सरल माध्यम : प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में ड्क्षहंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अपनी बात को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा

पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोल-चाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कई बार हिंदी भाषा को जानते हुए भी लोग इसे बोलने व लिखने में संकोच करते है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि देश में तकनीकी व आर्थिक विकास के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे हम अपनी क्षेत्रीय भाषा व हिंदी भाषा को भूलते जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदें से आह्वान किया कि वे हिंदी भाषा के खोए हुए स्तर को फिर से लौटाने में अहम भूमिका निभाएं। इसके लिए वे शिक्षण संस्थानों में निबंध प्रतियोगिता व हिंदी पखवाड़े जैसे कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करवाते रहें ताकि वे भावी पीढ़ी को हिंदी भाषा व क्षेत्रीय भाषा के बारे में बता सकें। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति ने मेजबान विभाग की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मनाए गए हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही मुख्यातिथि ने स्लोग्न, पोस्टर व स्केचिंग प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अंत में भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित हिंदी सप्ताह दिवस कार्यक्रम के दौरान स्लोग्न लेखन, पोस्टर, स्केचिंग, काव्यपाठ व हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों सहित शहर के अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15-9-23	4	5-6

पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिंदी आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सरल माध्यम : प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 सितम्बर (ब्यूरो): हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा व दूसरा स्थान कोमल ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी रावत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही।

इसी प्रकार, स्केचिंग प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही, जबकि तीसरे स्थान पर बावल के कृषि महाविद्यालय के छात्र यश बिश्नोई रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	15-9-23	10	2-6

हकृवि में हिंदी दिवस पर पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर

पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की।

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

हिंदी सप्ताह दिवस कार्यक्रम के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व पतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा व दूसरा स्थान कोमल ने प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9-23	2	6-8

भाषण में स्वीटी, काव्य पाठ में दिव्या ने बाजी मारी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में फतेहचंद महाविद्यालय की छात्रा स्वीटी प्रथम स्थान, विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू द्वितीय, कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया तृतीय रहे। मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

काव्य पाठ प्रतियोगिता में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की दिव्या प्रथम, हिमांशी द्वितीय, कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की मोनिका तृतीय रही। स्लोगन प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा प्रथम, कोमल द्वितीय, पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम, शिवानी रावत द्वितीय व प्रेरणा तृतीय रही। स्केचिंग प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की कोमल प्रथम व निहारिका द्वितीय रही। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत, भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्पणा आदि मौजूद रहे।

एचएयू में हिंदी दिवस पर विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : विवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.09.2023	--	--

हकृवि में हिंदी दिवस पर पारितोषिक वितरण समारोह किया गया आयोजित

हिंदी भाषा हमें पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता व आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सबसे सरल माध्यम : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 14 सितंबर। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतर विश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अपनी बात को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोल-चाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कई बार हिंदी भाषा को जानते हुए भी लोग इसे बोलने व लिखने में संकोच करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि देश में तकनीकी व आर्थिक विकास के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे हम अपनी क्षेत्रीय भाषा व हिंदी भाषा को भूलते जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदें से आह्वान किया कि वे हिंदी भाषा के खोए हुए स्तर को फिर से लौटाने में अहम भूमिका निभाएं। इसके लिए वे शिक्षण संस्थानों में निबंध प्रतियोगिता व हिंदी पखवाड़े जैसे कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करवाते रहें ताकि वे भावी पीढ़ी को हिंदी भाषा व क्षेत्रीय भाषा के बारे में बता सकें। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति ने मंजबाल विभाग की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मनाए गए हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही मुख्यातिथि ने स्लोगन, पोस्टर व स्केचिंग प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अंत में भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित हिंदी सप्ताह दिवस कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लेखन, पोस्टर, स्केचिंग, काव्यपाठ व हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों सहित शहर के अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा मोनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा व दूसरा स्थान कोमल ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी रावत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही। इसी प्रकार, स्केचिंग प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही, जबकि तीसरे स्थान पर बावल के कृषि महाविद्यालय के छात्र यश बिश्नोई रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.09.2023	--	--

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर : प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसको बचाने व पीढ़ी-दर-पीढ़ी को इस भाषा से रूबरू करवाने के लिए हमें दैनिक दिनचर्या में हिंदी भाषा को प्रयोग में लाना होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित अंतरविश्वविद्यालय हिंदी दिवस पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अपनी बात को सरल व सहज तरीके से प्रस्तुत करने का सबसे अच्छा माध्यम क्षेत्रीय भाषा है। आधुनिक युग में अगर हम सभी को जरूरत है तो व्याकरणिक दृष्टि से अपनी भाषा को सही तरीके से लिखने व बोलने की। इसलिए हमें आम बोल-चाल में क्षेत्रीय भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति का हमें बोध करवाती है। कई बार हिंदी भाषा को जानते हुए भी लोग इसे बोलने व लिखने में संकोच करते है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि देश में तकनीकी व आर्थिक विकास के साथ अंग्रेजी भाषा का प्रचलन भी बढ़ रहा है, जिससे हम अपनी क्षेत्रीय भाषा व हिंदी भाषा को भूलते जा रहे हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया से आए डॉ. सूर्यकांत ने विदेशों में हिंदी भाषा के स्तर व महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति ने मेजबान विभाग की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मनाए गए हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही मुख्यातिथि ने स्लोगन, पोस्टर व स्केचिंग प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेता

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित हिंदी सप्ताह दिवस कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लेखन, पोस्टर, स्केचिंग, काव्यपाठ व हिंदी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों सहित शहर के अनेक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर फतेहचंद महाविद्यालय, हिसार की छात्रा स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरे स्थान पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा खुशबू व तीसरे स्थान पर कृषि महाविद्यालय के छात्र लक्ष्य पूनिया रहे। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा दिव्या प्रथम स्थान व दूसरे स्थान पर हिमांशी रही, जबकि कृषि महाविद्यालय के छात्र हर्षदीप व फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा योनिका संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा गनीशा व दूसरा स्थान कोमल ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्रा निहारिका प्रथम स्थान, दूसरे स्थान पर शिवानी रावत व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही। इसी प्रकार, स्केचिंग प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर फतेहचंद कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कोमल व निहारिका रही, जबकि तीसरे स्थान पर चावल के कृषि महाविद्यालय के छात्र यश बिश्नोई रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-23	10	5

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्टूबर से शुरू

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	15-9-23	6	6

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.9.23	2	1

हकृवि में कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से

हिसार, 14 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारी दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9-23	1	2

एचएयू में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की ओर से तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन 8 अक्तूबर से होगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर किया जाएगा। मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नंबर-3 के सामने लगाया जाएगा। किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज व बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी।

कृषि व गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं करवाई जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की सुविधा दी जाएगी। तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15-9-23	4	7-8

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला आठ अक्टूबर से

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आठ से 10 अक्टूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट नंबर तीन के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टालों की बुकिंग की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.9.23	5	1-3

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से शुरू

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

हिसार, 14 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.23	4	6

हकृवि में 3 दिनी हरियाणा कृषि विकास मेला 8 से

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.09.2023	--	--

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।

कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अधिकारी न्यूज	14.09.2023	--	--

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से शुरू

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व श्रीअन्न के उत्पादों को जानने का मिलेगा अवसर

By Adhikari News | Sep 14, 2023, 19:45 IST

adhikarinews,hisar: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.09.2023	--	--

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 8 अक्तूबर से शुरू

हिसार, 14 सितंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 अक्तूबर तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति के अनुसार मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा। इस मेले के दौरान हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग की जाएगी। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा की जाएगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.9.23	2	1-4

अभियंता दिवस विशेष

छात्राएं बोलीं- खेतीबाड़ी करने वाली महिलाओं को मिले अपनी पहचान, कुछ ऐसा कर जाएं हम काम

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में भविष्य संवार रहीं बेटियां

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। बेटियां हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही है। चाहे शिक्षा, खेल हो या फिर खेतीबाड़ी। खास बात है कि अब बेटियां एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में भविष्य संवार रही हैं।

एचएयू से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग करने वाली छात्राओं ने कहा कि हमारा मकसद है कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाकर कम समय और कम लागत में किसानों को अधिक मुनाफा मिले और पैदावार भी अधिक हो। हर साल 15 सितंबर को अभियन्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन महान अभियन्ता एवं भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती होती है।

कम लागत में किसानों को मिले अधिक मुनाफा

कृषि इंजीनियरिंग की तृतीय वर्ष की छात्रा कोमल यादव बताती हैं कि उनका परिवार खेतीबाड़ी करता है। मां घर के सभी काम करने के साथ खेतीबाड़ी संभालती हैं।

उसके बाद ही उसे गृहिणी की पहचान मिली है। मेरा सपना है कि खेतीबाड़ी करनें वाली हर महिला को कृषि क्षेत्र में अपनी पहचान मिले। आज जमीन कम हो रही है और ऐसे में कम लागत में अधिक मुनाफा किसानों को मिले इसके लिए प्रयास करेंगे।

खेतों में सेम की दिक्कत को करना होगा दूर

कृषि इंजीनियरिंग की छात्रा प्रीति ने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में सेम की दिक्कत है। जमीन पर सेम ऊपर आने के कारण फसल नहीं होती। इसके चलते पानी को निकालने के लिए एक किसान दूसरे किसान के खेत में पानी डाल देता है। सरकार को चाहिए कि सेम के पानी का सही इस्तेमाल करने के लिए ड्रेन बनानी चाहिए, ताकि किसान उस पानी को ड्रेन में डाल सकें और जिन एरिया में किसानों को पानी जरूरत है वहां पर इसका इस्तेमाल हो सकेगा। इसके अलावा किसान पराली को जलाने के बजाय बेच कर अच्छी आमदनी पा सकता है।

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं किसान

कृषि इंजीनियरिंग की छात्रा तनु का कहना है आज हर क्षेत्र का आज निजीकरण हो रहा है। लोगों का रुझान भी उसी तरफ होता जा रहा है। जबकि सरकार की तरफ से कई योजनाएं चलाई हुई है। उनका फायदा किसान उठा सकता है। जैसे कि किसान सब्सिडी से ड्रोन ले सकता है और उसका इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में कर सकता है। जिस किसान के पास कम जमीन है वह बड़े किसानों से ड्रोन किराये पर ले सकता है। आने वाले समय में यह योजना कारगार साबित होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-23	2	3

ध्यान से मानसिक तनाव को दूर करने में मदद मिलेगी : नीरज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने गुरुवार को 'हर घर ध्यान' कार्यक्रम किया। कार्यक्रम कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज और कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग मेडिटेशन कोच नीरज गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि ध्यान करने से लोगों को मानसिक तनाव को दूर करने में मदद मिलेगी। जीवन में 80 प्रतिशत आनंद और 20 प्रतिशत दुख है। लेकिन हम 20 प्रतिशत पर टिके रहते हैं और इसे 200 प्रतिशत कर देते हैं। ध्यान के बारे में समझाते हुए नीरज गुप्ता ने बताया कि पूरी तरह से विश्राम करना ही ध्यान है।